K. Nand ? Semis (I) M.A

Q. 7

प्र॰— न्यूकोम्ब के अन्तर्वैयक्तिक आकर्षण सिद्धान्त या अन्तर्वैयक्तिक आकर्षण के संतुलन सिद्धान्त का उल्लेख करें।

Discuss the Newcomb's theory of interpersonal attraction or Balance theory of interpersonal attraction.

Ans:— न्यूकाम्ब (1961) द्वारा प्रतिपादित अन्तर्वैयक्तिक आकर्षण सिद्धान्त को अन्तर्वैयक्तिक आकर्षण का संतुलन सिद्धान्त भी कहा जाता है। इसे ABX सिद्धान्त की संज्ञा भी दी गई है। न्यूकोम्ब (1961) के द्वारा अन्तर्वैयक्तिक आकर्षण के तीन प्रमुख घटक होते हैं। इसे A, B और X कहा गया है। इसमें A और B दो व्यक्ति होते हैं जो X के प्रति परस्पर अन्तःक्रिया करते हैं। A और B अपने अनुभव के आधार पर X के प्रति मनोवृत्ति विकसित कर लेते हैं। यह धनात्मक या ऋणात्मक हो सकता है। X के प्रति विकसित मनोवृत्ति के आधार पर संतुलन या असंतुलन की स्थिति उत्पन्न होती है। जब A और B एक-दूसरे को पसन्द करते हैं और X के प्रति भी उनकी मनोवृत्ति समान होती है तो इससे संतुलन की अवस्था उत्पन्न होती है। इसके विपरीत जब इनकी मनोवृत्तियाँ X के प्रति अलग-अलग होती हैं, तो ऐसी स्थिति में असंतुलन की अवस्था उत्पन्न होती है। साथ-ही-साथ जब X के प्रति दोनों की मनोवृत्तियाँ समान हों और वे आपस में एक-दूसरे को पसन्द नहीं करते हों, तो भी असंतुलन की अवस्था उत्पन्न होती है जिसे निम्नांकित रेखा चित्र द्वारा भी प्रस्तुत किया जाता है।

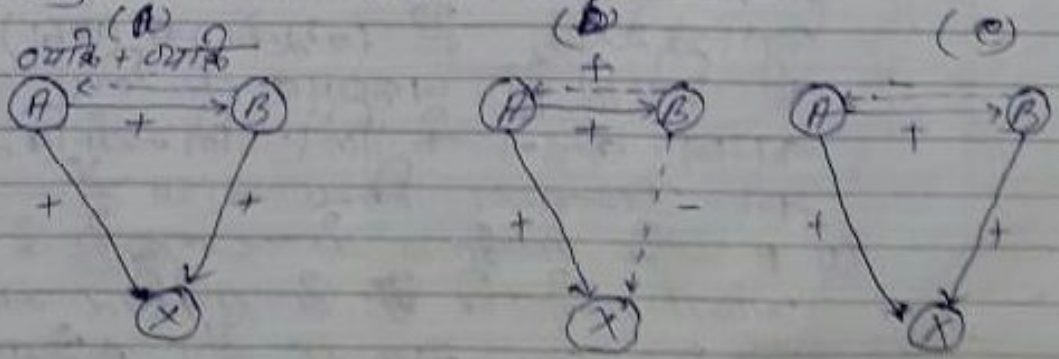

इस चित्र से स्पष्ट होता है कि संतुलन

K. Nand M.A II Sem (2)

की स्थिति तब बनती है जब A और B दोनों X के लिए समान मनोवृत्ति रखते हैं। इस स्थिति में मनोवृत्ति की समानता के फलस्वरूप अन्तःक्रिया होने पर अन्तर्वैयक्तिक आकर्षण में वृद्धि पाई जाती है। दूसरी अवस्था में A और B के बीच समान मनोवृत्ति के बावजूद जब दोनों की मनोवृत्तियों में भिन्नता होने पर A और B के बीच अन्तर्वैयक्तिक आकर्षण में कमी पाई जाती है और असंतुलन की स्थिति उत्पन्न होती है। तीसरी अवस्था में X के प्रति A और B की मनोवृत्ति समान रहती है परन्तु वे आपस में एक दूसरे को नापसन्द करते हैं तो असंतुलन की स्थिति रहती है। अर्थात बाद वाली दोनों परिस्थितियों में अन्तर्वैयक्तिक आकर्षण न्यून पाया जाता है। न्यूकाम्ब (1961) ने इसके लिए निम्नांकित तीन कारकों को जिम्मेवार माना है—

(i) A का B के प्रति आकर्षकता की मात्रा कितनी है। यह मात्रा अधिक होने से असंतुलन की मात्रा में कमी होने की संभावना रहती है।

(ii) X के प्रति A की मनोवृत्ति की तीव्रता का स्तर कितनी है।

(iii) X के प्रति A की मनोवृत्ति तथा X के प्रति B की मनोवृत्ति में अन्तर कितनी है। यह अन्तर जितनी ही अधिक होगी, असंतुलन की मात्रा को अधिक होने की संभावना हो जाती है।

न्यूकाम्ब (1961) द्वारा प्रतिपादित इस सिद्धान्त में असंतुलन की दिशा को संतुलित करने के लिए विशेष प्रकार के संबंध आवश्यक होते हैं। असंतुलन की स्थिति में परिवर्तन के लिए तीनों स्थितियों में से किसी एक में परिवर्तन आवश्यक है। न्यूकॉम्ब (1961) द्वारा असंतुलन की स्थिति में बदलाव के लिए अर्थात् संतुलन कायम करने के लिए निम्नांकित चार उपायों का उल्लेख किया गया है—

(i) A अपने असंतुलन को दूर करने के लिए B के प्रति अपनी मनोवृत्ति ~~के~~ से संबंधित अपने विश्वास में सुधार ला सकता है। A ऐसा सोच सकता है कि यह उसकी भूल थी कि उसने X के प्रति